दिव्य भास्कर सूरत के 20वें वर्ष में मंगल प्रवेश के अवसर पर पाठकों के लिए आज का मास्टहेड दक्षिण गुजरात की पहचान वारली पेंटिंग में ...

सच्ची बात बेधड़क

# दैनिक भास्कर

दिव्य भास्कर सूरत 20 वर्षमां मंगळ प्रवेश

सूरत, मंगलवार, 28 मार्च, 2023 | चैत्र, शुक्ल पक्ष-7, 2080 | कुल 14 पेज | मूल्य ₹ 6.00 | वर्ष 6 | अंक 325 | 12 राज्य | 61 संस्करण

दिव्य भास्कर SURAT THE KOHINOOR OF INDIA Next Generation

**फ्यूचर डायमंड** पहली बार भास्कर में सूरत के लीडर्स एक साथ...पढ़ें क्या है उनकी पावर, पॉलिसी और बिजनेस आइडियाज

# देश में 45 लाख टन ग्रीन कोयले का उत्पादन, यूएस में सोलर प्लांट लगा रहे सूरती

सूरत के प्रमुख औद्योगिक परिवारों में एक नई पीढ़ी ड्राइविंग सीट पर आ रही है। नई विचारधाराओं के साथ आने वाली इस पीढ़ी में कोई देश से कचरे के पहाड़ को हटाकर 45 लाख टन ग्रीन कोयला बना रहा है तो कोई अमेरिका में जाकर सोलर और बेकरी प्लांट लगा रहा है। सूरत दिव्य भास्कर के 20वें मंगल प्रवेश के अवसर पर शहर के 15 बड़े उद्योगपति जो भविष्य में बड़े लीडर बनेंगे उन्होंने अपना विजन और मिशन बताया। इनकी कंपनियों का टर्नओवर एक लाख करोड़ से अधिक है।

**श्रेयांश धोलकिया**
एसआरके एक्सपोर्ट
- हमारी कंपनी में 6 हजार कर्मचारी हैं, प्रति वर्ष 10 लाख कैरेट हीरे का प्रोडक्शन करते हैं। भविष्य में हम जीरो कार्बन एमिशन की ओर आगे बढ़ेंगे।

**वरूण लाखाणी**
किरण जेम्स
- 13 वर्षों से हमारी कंपनी नंबर वन पर है। हम 0.01 कैरेट से लेकर 5 कैरेट तक के हीरे तैयार करते हैं। प्रति वर्ष 60 लाख कैरेट हीरे का प्रोडक्शन है।

**पिन्टू धोलकिया**
एचके एक्सपोर्ट प्रा.लि.
- हरे कृष्ण डायमंड का 12 हजार करोड़ का टर्न ओवर है। 125 देशों में डायमंड ज्वेलरी बेचने और विश्व के हर घर में हमारी ज्वेलरी पहुंचाने का लक्ष्य है।

**हितेश पटेल**
धर्मनंदन डायमंड
- 5 लाख कैरेट हीरे का प्रोडक्शन करते हैं। कोरोना काल में एक भी कर्मचारी को नहीं निकाला गया। पिछले वर्ष कंपनी का टर्नओवर 6500 करोड़ का था।

**भार्गव कोटडिया**
सहजानंद ग्रुप
- सहजानंद का नेतृत्व संभाला तब टर्न ओवर 100 करोड़ का था, 300 कर्मचारी थे। आज टर्नओवर 1200 करोड़ है, 3000 कर्मचारियों की फौज है।

**पीयूष डालिया**
गोपीन ग्रुप
- हमारा कोई भी प्रोजेक्ट हो या ऑफिस हो उसमें हम ग्रीनरी को प्रधानता देते हैं, अलग-अलग कंपनियों में हमारे 2000 कर्मचारी हैं।

**स्मित पटेल**
ग्रीनलैब डायमंड
- हम हर महीने 2 लाख कैरेट लैबग्रोन रफ का उत्पादन करते हैं, जो मेड इन इंडिया है। 10000 से अधिक लोगों को रोजगार देते हैं।

**ध्रुव लूथरा**
लूथरा ग्रुप
- 9 वर्ष पहले कचरे से ग्रीन फ्यूल बनाना शुरू किया। आज 1200 कर्मचारी हैं और हमारी 45 लाख टन ग्रीन कोयला बनाने की क्षमता है।

**चिराग लिंबासिया**
भथवारी टेक्नोलॉजी
- मेक इन इंडिया के तहत हमारी कंपनी लैबग्रोन डायमंड एवं मशीन बनाने वाली देश की पहली कंपनी हैं। यह कारोबार तेजी से बढ़ रहा है।

**शैलेष लुखी**
जे.के. स्टार
- व्हाइट नास डायमंड 30 वर्षों से हमारी स्पेशलिटी है। 800 कंपनियों के साथ हमारा बिजनेस है। कर्मभूमि सूरत-सौराष्ट्र का ऋण चुकाने के लिए हम 1 लाख वृक्ष रोपेंगे।

**अमित तुलस्यान**
आनंद सारी
- फ्लिपकार्ट पर 10 दिनों तक दूसरी साड़ी नहीं बिकी थी। हम टिके रहे, एक दिन ऐसा आया कि एक ही दिन में 51 हजार साड़ियां बेची थी।

**दीप चोक्सी**
डी. खुशालभाई ज्वेलर्स
- मेड इन इंडिया में हमारी कंपनी का बड़ा योगदान है। ऑनलाइन के क्षेत्र में बिजनेस को आगे बढ़ाएंगे। 250 लोगों को रोजगार देते हैं।

**चिराग नाकराणी**
रेयजोन सोलर

**हार्दिक कोठिया**
रेयजोन सोलर
- हमारी कंपनी की शुरूआत 40 MW से हुई थी, फिलहाल 1500 MW है। रेयजोन 100 प्रतिशत सोलर पैनल भारत में बना रही है। कंपनी में 1000 से अधिक कुशल कर्मचारी हैं, जिनकी मेहनत से सोलर पैनल 17 से अधिक देशों में एक्सपोर्ट हो रही है। भारत में 2500 MW और अमेरिका में 500 MW की पैनल मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए प्लानिंग की जा रही है।

- जैकेट इनसाइड भी पढ़ें

## 'दिव्य भास्कर' सूरत के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी का विशेष संदेश

# सूरत यानी मिनी हिन्दुस्तान

ऐसा शहर जो विकास की दौड़ में पीछे छूटे लोगों का हाथ पकड़कर आगे लाता है

सूरत यानी मिनी हिंदुस्तान, क्योंकि भारत का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जिसके मूल निवासी सूरत की धरती पर न रहते हों। सूरत एक ऐसा अनोखा शहर है जो विकास की दौड़ में पीछे रह जाने वालों का हाथ पकड़कर ज्यादा अवसर देता है। शहर की यही भावना आजादी के अमृतकाल में विकसित भारत के निर्माण की प्रेरणा देती है।

जब दुनिया 'पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप' के तीन 'P' की बात कर रही थी, तब मैं कहता था कि सूरत असल में 'पिपल-पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप' के चार 'P' का उदाहरण है। सूरत में महामारी और बाढ़ के बारे में जब गलत सूचना फैलाई गई तब मैंने यहां के व्यापारी समुदाय को समझाया था कि 'अगर सूरत शहर ब्रांडेड होगा तो यहां की हर कंपनी, हर सेक्टर अपने आप ब्रांडेड हो जाएगा। मुझे खुशी है कि आज सूरत दुनिया में सबसे तेजी से विकास करने वाले शहरों में से एक है। पिछले 20 सालों में सूरत ने देश के अन्य शहरों की तुलना में काफी तेजी से विकास किया है। रांदेर, अडाजण, पाल, हजीरा पालनपोर, जहांगीरपुरा जैसे पश्चिम के क्षेत्रों का विकास और समृद्धि 20 वर्ष की अथक मेहनत का परिणाम है। तापी नदी पर एक दर्जन से अधिक पुल हैं। इस तरह की इंटरसिटी कनेक्टिविटी भाग्य से ही देखने को मिलती है। आज सूरत दुनिया में सबसे सुरक्षित और सबसे सुविधाजनक डायमंड ट्रेडिंग हब के रूप में सुसज्जित है और वो दिन दूर नहीं जब सूरत दुनिया भर में हीरा व्यापारियों और कंपनियों के लिए आधुनिक ऑफिस के रूप में जाना जाएगा। मौज-मस्ती और आनंद के मामले में सूरतीलाला के जैसा कोई नहीं। इसीलिए एक कहावत है कि 'सूरत का जमण और काशी का मरण' से बेहतर कुछ नहीं। एयरपोर्ट के लिए हमारे लंबे संघर्ष को यहां के कई लोगों ने देखा है। शहर को एयरपोर्ट से जोड़ने वाला रोड सूरत की संस्कृति, समृद्धि और आधुनिकता को दर्शाता है।

सूरत के लोग बिजनेस में लॉजिस्टिक्स के महत्व को अच्छी तरह जानते हैं। नई लॉजिस्टिक पॉलिसी से सूरत को काफी फायदा होने वाला है। शहर का कपड़ा बाजार काशी और पूर्वी उत्तर प्रदेश से जुड़ा हुआ है। यहां से गुड्स रोड के जरिये जाते हैं। अब रेलवे ने कोच के डिजाइन में ऐसा बदलाव किया है कि उसमें कार्गो फिट हो जाए। इसके लिए एक टन के विशेष कंटेनर बनाए गए। अब सूरत से काशी तक माल ढोने वाली नई ट्रेन दौड़ाई जाएगी। डायमंड सिटी, सिल्क सिटी, सेतु सिटी के नाम से मशहूर हो चुका सूरत जल्द ही इलेक्ट्रिक व्हीकल सिटी के नाम से जाना जाएगा। शहर में जल्द ही 500 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। सूरत का विकास डबल इंजन वाली सरकार में रखे गए भरोसे को दर्शाता है। जब विश्वास बढ़ता है तो प्रयास भी बढ़ता है। सबके संयुक्त प्रयास से राष्ट्र के विकास की गति तेज होती है। मैं सूरत के लोगों के प्रति जितना आभार व्यक्त करूं उतना ही कम है। देश में सूरत की बराबरी करने वाले कई शहर हैं लेकिन सूरत ने उन सभी को पीछे छोड़ दिया है। यह ताकत सिर्फ गुजरात में है। गुजरात की विकास यात्रा में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए और इसके लिए हर गुजराती प्रतिबद्ध है।

नरेंद्र मोदी

**हीरा बुर्स तैयार** आस-पास 9 हजार करोड़ के 45 बड़े रियल एस्टेट प्रोजेक्ट शुरू

# दुबई, हॉन्गकॉन्ग जैसे ट्रेड फेयर सूरत में होंगे, बुर्स के पास एक कंपनी की 1500 फ्लैट की टाउनशिप

सरकार डायमंड सर्टिफिकेशन करने वाली संस्था जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका को ड्रीम सिटी में जगह देगी

**भास्कर एक्सपर्ट** इस बुर्स का सपना देखने वाले दुनिया के सबसे बड़े डायमंड मैन्यूफैक्चरर और किरण जेम्स के फाउंडर वल्लभभाई लखानी, ग्रीनलैब के ऑनर मुकेश पटेल, एसआरके के फाउंडर गोविंद धोलकिया और पद्मश्री मथुर सवानी से समझें कि बुर्स किस तरह सूरत, गुजरात और भारत की तस्वीर को दुनिया में चमकाएगा।

विजय सिंह चौहान | सूरत

35 एकड़ में दुनिया में सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग, 4500 डायमंड ट्रेडिंग ऑफिस। 27 इंटरनेशनल ज्वेलरी स्टोर, 30 रेस्टोरेंट और 8 बैंक के साथ डायमंड बुर्स उद्घाटन के लिए तैयार है। बुर्स सूरत की इकोनॉमी में एक बढ़ा बदलाव लाएगा यह अब ग्राउंड पर दिखाई दे रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी डायमंड मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी किरण जेम्स ने अपने मुंबई में काम करने वाले 1800 स्टाफ को सूरत में शिफ्ट करने के लिए 1500 फ्लैट की टाउनशिप बनाई है। यह कंपनी भारत डायमंड बुर्स, मुंबई में पहले दिन से अपना कारोबार समेट कर सूरत में ट्रेडिंग की शुरुआत करेगी।

9 टावर वाले बुर्स में बड़ी कंपनियों ने पूरे-पूरे फ्लोर (मंजिल) खरीद लिए हैं तो 300 वर्गफीट के छोटे ऑफिस भी हैं। शुरुआत में 4200 ट्रेडिंग ऑफिस खुलने थे, लेकिन अब इनकी संख्या बढ़कर 4500 हो गई है। बुर्स को लेकर एक संशय इस बात का था कि मुंबई से एयर कनेक्टिविटी नहीं है। बुर्स को चलाने वाले कारोबारीयों ने तय किया है कि वे एयरलाइंस कंपनियों को सीधे 2-3 करोड़ रुपए देकर सीटों की गारंटी देंगे।

सूरत के खजोद में जिस जगह कचरे का पहाड़ था, वहां और उसके आसपास के गांव आभवा, अलथाण, भीमराड, वेसू, गवियर, भीमपोर और डूमस में कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट की बाढ़ है। यहां 9 हजार करोड़ से अधिक के 45 बड़े प्रोजेक्ट आकार ले रहे हैं। दो बिल्डर समूहों के एक-एक हजार करोड़ और चार समूहों के साढ़े तीन सौ करोड़ से ऊपर के प्रोजेक्ट हैं। 200 करोड़ और इससे छोटे भी कुछ प्रोजेक्ट भी चल रहे हैं। बुर्स में एक समय में 65 हजार कर्मचारी काम कर रहे होंगे और एक बड़ी आबादी सूरत में शिफ्ट होगी।

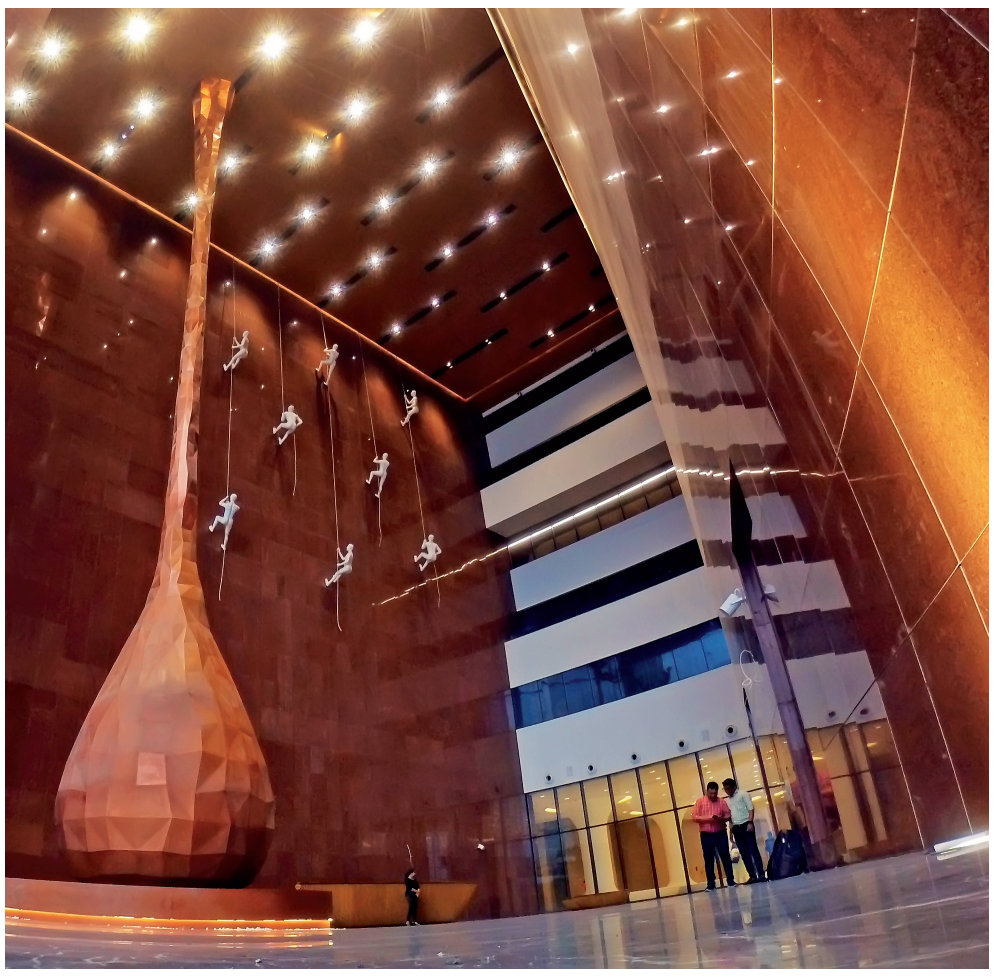

डायमंड बूर्स में विजिटर्स आएंगे तो उन्हें भव्यता का अनुभव होगा। मेन सेरेमोनियल एन्ट्री से फ्लोर की ऊंचाई 229 फुट के करीब है, जिसका यह फोटो 180 डिग्री के एंगल से लिया गया है। इसमें ऊंचाई हासिल करते हुए लोगों की प्रतिकृति दिखाई गई है।

## बुर्स के 10 बड़े फायदे

1. संयुक्त परिवार गुजरात की आत्मा है। अभी अलग-अलग शहरों में धंधा होने से अलग रहने वाले परिवार फिर संयुक्त हो जाएंगे।

2 एक ही जगह ट्रेडिंग होने से अब अलग-अलग शहरों में सैंपल के हीरे नहीं रखना होंगे । इससे कम पूंजी अटकेगी।

3 रफ खरीदने के लिए अभी जहां नीलामी होती है वहां जाना पड़ता है। अब अच्छे भाव के लिए राफ हीरा बेचने वाली कंपनियां सूरत आएंगी, इससे समय और इंटरनेशनल ट्रैवलिंग का खर्च बचेगा।

4 डायमंड हब के बाद अब नेक्ट लेवल होगा ज्वेलरी मेकिंग। जिस तरह से सूरत में एक ओडिशा, एक महाराष्ट्र, राजस्थान, यूपी और बिहार बसता है उसी तरह नया बंगाल भी बसेगा।

5 जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरीका सूरत में अपनी शाखा स्थापित करेगी। इससे डायमंड सर्टिफिकेशन में तेजी आएगी।

6 बुर्स हाई सिक्योरिटी एरिया में ही कस्टम क्लीयरेंस होने से खरीदारों को जोखिम कम होगा और माल सुरक्षित पहुंच जाएगा।

7 सूरत की कंपनियों में मुंबई से काम करने वाले कर्मचारी सूरत शिफ्ट होंगे। यहां 4500 ट्रेडिंग कंपनिया और अन्य ऑफिस और अन्य सुविधाओं के लिए लगभग एक लाख अन्य शहरों से सूरत रहने आएंगे। एक परिवार में 4 सदस्य मान लें तो चार लाख की आबादी सूरत में बढ़ जाएगी।

8 185 देशों से हीरा खरीदने वाले जब आएंगे तब उनको होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी जैसी सुविधाएं चाहिए होंगी। यादगार के लिए सूरत से अन्य सामान भी खरीदेंगे, जिसका फायदा सभी को होगा।

9 हाल में ही हॉन्गकॉन्ग में हुए डायमंड ट्रेड फेयर में दुनियाभर से दो लाख लोग गए थे। अब ऐसे ही बड़े ट्रेड फेयर सूरत में होंगे और बड़ी हस्तियां सूरत आएंगी।

10 बुर्स लेबग्रोन डायमंड के लिए वरदान बनेगा। 5 साल में यह सेक्टर गुजरात में एग्रीकल्चर के बाद दूसरा सबसे अधिक रोजगार और आय देने वाला धंधा होगा। लेबग्रोन का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट खानों और अन्य देशों पर निर्भरता नहीं है। पूरी तरह से मेक इन इंडिया होने से इस सेक्टर से जो भी आय होगी वह शुद्ध स्वदेशी आय होगी।

**एक्सपर्ट व्यू** देश की सबसे बड़ी शिमटन चॉकलेट फैक्ट्री, मल्टीप्लेक्स बनाने में देश की 5वीं अग्रिम कंपनी और विशेषकर सूरत में लग्जीरियस कंस्ट्रक्शन के लिए मशहूर राजहंस ग्रुप के चेयरमैन जयेश देसाई के शब्दों में समझें कि सूरत में रियल एस्टेट के बिजनेस का प्रारूप क्या है और यह भविष्य में किस तरह बढ़ेगा

# सूरत भारत का दुबई, 3 से 20 हजार स्क्वॉयर फुट के फ्लैट बन रहे हैं

जयेश देसाई
चेयरमैन, राजहंस ग्रुप, सूरत

मैं पिछले 18 वर्षों से रियल एस्टेट के बिजनेस में हूं। कोरोना के बाद रियल एस्टेट की डिमांड बढ़ी है। खास कर लोग हवा, प्रकाश और खुलेपन की खोज में छोटे से बड़े घरों में जा रहे हैं। सूरत की बात करें तो कुछ दिन पहले सूरत महानगरपालिका ने एक सर्वे किया था, जिसमें पता चला कि सूरत की जनसंख्या 75 लाख तक पहुंच गई है। 32 लाख लोग किराये के घरों में रहते हैं। यह आंकड़ा खुद बताता है कि रियल एस्टेट की कितनी संभावनाएं है। सूरत के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात प्रवासी जनसंख्या है। जिस प्रकार दुनिया की बस्ती दुबई में जाकर बस रही है उसी प्रकार भारत के लिए सूरत एक दुबई बन गया है।

यहां राजस्थान, यूपी, बिहार, महाराष्ट्र और गुजरात के सौराष्ट्र से बड़ी संख्या में लोग शिफ्ट हो रहे हैं। इसी कारण कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में भारी डिमांड है। सूरत के लिए दूसरी सकारात्मक बात गुणवत्तायुक्त कंस्ट्रक्शन है। मुंबई की तरह यहां भी हाईराइज में रहने का कल्चर है और बिल्डर्स पहले से ही गुणवत्तायुक्त काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र के लिए यह सबसे बड़ा फैक्टर है। अब ग्राहक भी समझदार हो गए हैं और टॉप क्लास की सुविधाएं चाहते हैं। सूरत इन बातों को पहले से ही समझता था इसीलिए यहां 3 से 20 हजार स्क्वॉयरफुट तक के फ्लैट-बंगलोज बन रहे हैं और बिक भी रहे हैं। तीसरी सबसे अच्छी बात यह है कि जमीन का दाम औसतन है। यहां दूसरी मेट्रोसिटी की तरह जमीन बहुत महंगी नहीं है। इसी कारण छोटे और बड़े बिल्डर्स के लिए काम करने का मौका और प्रतिस्पर्धा भी है। इसीलिए मुंबई के बिल्डर्स भी अब सूरत में प्रोजेक्ट बनाने जा रहे हैं।

सूरत का समय अब शुरू हुआ है और ये 5 महत्वपूर्ण बातें हमारे यहां रियल एस्टेट के व्यवसाय में माइलस्टोन साबित होंगी। इतना निश्चित तौर पर कहूंगा कि हमारे सभी प्रोजेक्ट्स में गुजरात सरकार का काफी सपोर्ट रहा है।

### 4 बातें जो रियल एस्टेट के इंजन समान हैं

1. **डायमंड बुर्सः** इसे चलाने के लिए कर्मचारी-अधिकारी जैसे सभी तरह के लोग शिफ्ट होंगे और हर तरह की कैटेगरी के मकानों की आवश्यकता होगी।
2. **टेक्सटाइल बिजनेसः** सूरत में यह बिजनेस कभी कम नहीं होगा। जिससे समग्र देश से सूरत की ओर जो माइग्रेशन है वह चालू रहेगा।
3. **हजीरा बेल्टः** रिलायंस, ओएनजीसी, आर्सेलर मित्तल और एल एंड टी जैसी बड़ी कंपनियों ने विस्तरण के लिए 1 लाख करोड़ इन्वेस्ट किया है।
4. **एनआरआईः** द. गुजरात से विदेश में बसे लोग कोरोना बाद एक घर सूरत में भी खरीदना चाहते हैं। उनके पास पैसे की कमी नहीं है।